

संस्कृत-विभाग
हिमाचल प्रदेश विश्वविद्यालय,
शिमला - 171005

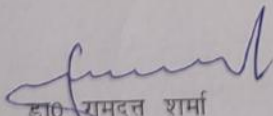
दिनांक 5.11.2018

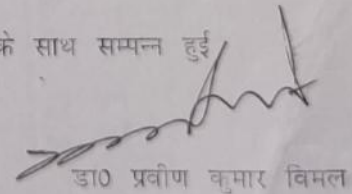
आज दिनांक 5.11.2018 को 2.00 बजे स्नातक स्तरीय शास्त्री कार्यक्रम पारम्परिक संस्कृत (Traditional Sanskrit) अध्ययन समिति (O.T.B.O.S.) की बैठक हुई, जिसमें निम्नलिखित सदस्य उपस्थित थे।


- 1 आचार्य कौशल्या चौहान
अध्यक्ष, संस्कृत-विभाग
तथा
अध्यक्ष, पारम्परिक संस्कृत, अध्ययनसमिति
- 2 आचार्य प्रभात सिंह ठाकुर
बाह्य विशेषज्ञ, विश्वेश्वरानन्द विश्वबन्धु संस्कृत एवं
भारतभारती अनुशीलन संस्थान, होंशियारपुर
- 3 डॉ० प्रवीण कुमार विमल
सदस्य, राजकीय संस्कृत महाविद्यालय, फागली, शिमला
- 4 डॉ० रामदत्त शर्मा
सदस्य, राजकीय संस्कृत महाविद्यालय, सोलन
- 5 डॉ० नरोत्तम दत्त शर्मा
विशेष आमन्त्रित सदस्य, श्रीशक्ति संस्कृत महाविद्यालय,
श्री नयनादेवीजी, विलासपुर (हि.प्र.)

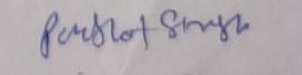
1. बैठक में सर्वसम्मति से विभिन्न महाविद्यालयों से प्राप्त अभ्यावेदन जिसमें कि शास्त्री कक्षाओं में अंग्रेजी विषय से सम्बन्धित पाठ्यक्रम के सम्बन्ध में सुझाव दिये गये हैं, के सम्बन्ध में विचार विमर्श किया गया और बैठक में सर्वसम्मति से यह निर्णय लिया गया है कि संस्कृत महाविद्यालयों में पारम्परिक संस्कृत (O.T.) शास्त्री के विद्यार्थियों को यह सुविधा प्रदान की जाये कि वे शास्त्री प्रथम वर्ष, शास्त्री द्वितीय वर्ष तथा शास्त्री तृतीय वर्ष में अंग्रेजी विषय के पाठ्यक्रम का चयन करते समय बी.ए. (BA) के स्तर पर पढ़ाये जाने वाले अंग्रेजी विषय के किसी भी पाठ्यक्रम का चयन कर सकते हैं। विद्यार्थी अंग्रेजी विषय के पाठ्यक्रम का चयन करते समय इस बात का ध्यान अवश्य रखें कि उनके द्वारा अंग्रेजी विषय के उस पाठ्यक्रम का चयन किया जाये जिसकी छः प्रतिष्ठायें (06 credits) हों। बैठक में यह भी निर्णय लिया गया कि जिन विद्यार्थियों ने जुलाई 2018 में शास्त्री प्रथम वर्ष में प्रवेश लिया है, यदि वे अंग्रेजी विषय के पाठ्यक्रम को परिवर्तित अवस्था में पुनः चयनित करना चाहे तो छात्र अंग्रेजी विषय के पाठ्यक्रम को चयनित करने के लिये पूर्णतः स्वतन्त्र हैं।

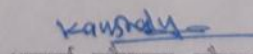
बैठक अध्यक्ष के प्रति धन्यवाद प्रस्ताव के साथ सम्पन्न हुई


डॉ० रामदत्त शर्मा
(सदस्य)


डॉ० प्रवीण कुमार विमल
(सदस्य)


डॉ० नरोत्तम दत्त शर्मा
(विशेष आमन्त्रित सदस्य)


आचार्य प्रभात सिंह ठाकुर
बाह्य विशेषज्ञ


आचार्य कौशल्या चौहान
अध्यक्ष, संस्कृत-विभाग
तथा

अध्यक्ष, पारम्परिक संस्कृत, अध्ययनसमिति